सूक्ति

अंशिका गर्ग
रुड़की

- किसी व्यक्ति की वर्तमान स्थिति देखकर उसका मजाक मत उड़ाओ क्योंकि समय में इतनी ताकत है कि वह कोयले के टुकड़े को भी हीरे में बदल देता है।
- कुछ रिश्ते खुदा बनाता है, कुछ रिश्ते मनुष्य बनाते हैं, कुछ लोग बिना रिश्ते के रिश्ते निभाते हैं, शायद वो ही दोस्त कहलाते हैं।
- दुनिया में ''दान'' जैसी कोई सम्पत्ति नहीं, ''लालच'' जैसा कोई रोग नहीं, अच्छे ''स्वभाव'' जैसा कोई आभूषण नहीं, और ''सन्तोष'' जैसा कोई सुख नहीं।
- अगर कोई पूछे जिन्दगी में क्या खोया और क्या पाया तो बेशक कहना जो कुछ खोया वो मेरी नादानी थी और जो भी पाया वो प्रभु की मेहरबानी थी।
- मेहनत सीढ़ियों की तरह होती है और भाग्य लिफ्ट की तरह, किसी समय लिफ्ट तो बन्द हो सकती है पर सीढ़ियां हमेशा ऊँचाई की ओर ले जाती हैं।
- प्यार में ताकत है दुनिया को झुकाने की, वरना क्या जरूरत थी राम को जूठे बेर खाने की।
- खूबसूरत रिश्ता है मेरा और भगवान के बीच में, ज्यादा मैं मांगता नहीं कम वो देता नहीं।
- विनाश का ताण्डव नृत्य हम परिवारों में रोज देखते हैं और भाई बन्धु, कुटुम्ब परिवार वालों से धीरे–धीरे विछोह होता ही जाता है।
- वायु के संसर्ग से जलराशि के बुलबुले पैदा होते हैं, परन्तु थोड़ी देर में ही खत्म हो जाते हैं।
- एक न एक दिन मरना अवश्य है, इसलिए शाश्वत सुख के लिए मनुष्य जन्म में परोपकारी कार्य करो और परमानन्द को प्राप्त करो।
- बादल नभ की छाती पर गर्व से झूमते हुए चलते दिखते हैं, परन्तु गिरिराज हिमालय से टकराकर बरस जाते हैं और छिन्न–भिन्न हो जाते हैं।
- पुष्प खिलता है, और रंग–बिरंगा होने पर आँखों को लुभाता है, सुगन्ध देता है, शोभा बढ़ाता है, प्रेम से सवेरे उसे चूमते हैं, परन्तु सन्ध्या होते ही मुरझा कर जमीन पर गिर पड़ता है।
- ओस, फूलों पर, दूब पर, मोतियों के दानों के समान झिलमिलाती है, परन्तु सूर्य के उदय होते ही झिलमिल हो जाती है।
- इस सृष्टि में विनाश के ताण्डव नृत्य को देख कर ही हमारे शास्त्रों में शाश्वत सुख के लिए यही मानना पड़ता है कि सृष्टि क्षणभंगुर है और विनाश निश्चय ही होने वाला है।